यह निरीक्षण प्रतिवेदन च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार कया गया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध कराई गयी कसी त्रुटिपूर्ण सूचना अथवा अप्राप्त सूचना के लए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी के माह 04/2012 से 12/2017 तक के लेखा अ भलेखों की लेखापरीक्षा पर आधारित निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री सुधीर कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अ धकारी एवं श्री खुशी राम, वरिष्ठ लेखापरीक्षक द्वारा दिनांक 10/01/2018 से 15/01/2018 तक श्री दानिश इकबाल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित कया गया।

<u>भाग-प्रथम</u>

1. परिचयात्मकः- इस इकाई की यह प्रथम लेखा परीक्षा है।

2. (I) इकाई के क्रयाकलाप एवं भौगो लक अ धकार क्षेत्रः-

(अ) च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी का मुख्य क्रयाकलाप ब्लॉक में आकस्मिक स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करना तथा प्रसव की सेवायें निशुल्क दिया जाना है।

(ब) च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी एवं इकाई द्वारा संचा लत योजनाओं का भौगो लक क्षेत्र ब्लॉक जौनपुर टिहरी गढ़वाल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड के अन्तर्गत समस्त च कत्सा इकाईयों से योजनाएँ संचा लत होती हैं।

(II) (अ) वगत तीन वर्षों में बजट आवंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

(₹ लाख में)

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		अ ध क्य (+)	बचत (-) समर्पण
	स्थापना	गैर स्थापना	आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय		
2012-13	--	--	231	231	4.51	4.51		--
2013-14	--	--	353	340	3.93	3.17		13.76
2014-15	--	--	234	201	0.83	0.56	--	33.27
2015-16	--	--	536	356	13.4	11.40	--	182
2016-17	--	--	423	373	10.82	10.26	--	50.56
2017-18 (up to Aug. 2017	--	--	452	388	10.91	8.38	--	66.53

(iii) इकाई को बजट प्राप्ति के मुख्य स्रोत निदेशक आई0 सी0 डी0 एस0 देहरादून एवं भारत सरकार से प्राप्त होते है। वभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत हैः

1. स चव 2. उप स चव 3. महानिदेशक 4. निदेशक 5. मुख्य च कत्सा अ धकारी 6. उप मुख्य च कत्सा अ धकारी 7. च कत्सा अधीक्षक/प्रभारी च कत्सा अ धकारी।

(iv) लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा व धः लेखापरीक्षा में च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी को आच्छादित कया गया। समस्त स्वाधीन आहरण एवं वतरण अ धकारियों के निरीक्षण प्रतिवेदन पृथक-पृथक जारी कये जा रहे है। यह निरीक्षण प्रतिवेदन च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह 09/2013, 06/2014, 07/2016 एवं 08/2017 को वस्तृत जांच हेतु चयनित कया गया। प्रतिचयन अ धकतम व्यय धनरा श के आधार पर कया गया।

(vi) लेखापरीक्षा भारत के सं वधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियाँ तथा सेवा की शर्ते) अ धनियम, 1971 (डी पी सी एक्ट, 1971) की धारा 13, लेखा तथा लेखापरीक्षा वनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

भाग दो- (ब)

प्रस्तर **01:- ₹ 25.66** लाख की लागत के च कत्सीय उपकरण का अनुपयोगी रहना ।

सामुदायिक स्वास्थ केंद्र थत्यूड, जनपद टिहरी गडवाल को ₹ 25.66 लाख की लागत के निम्न उपकरण निदेशालय च कत्सा स्वास्थ एवं परिवार कल्याण उत्तराखण्ड से प्राप्त हुए थे जिसका ववरण निमन्वत था-

Sl. No.	Name of Medical Equipment	Rate	Qty.	Amount	Date Receipt	Present Position
01	Boyle`s Apparatus	325500	1	325500.00	03.07.2014	Unutilized
02	X-Ray Machine 300MA	1254750	1	1254750.00	6.6.2014	Unutilized
03	Cassette Rapid Autoclave	866200	1	886200.00	04.06.2014	Unutilized
04	Mobile LED OT Light	99540	1	99540.00	04.06.2014	Unutilized
				25,65,990.00		

कार्यालय च कत्सा अधीक्षक,सामुदायिक स्वास्थ केंद्र थत्यूड, जनपद टिहरी गढ़वाल के लेखा अ भलेखो की जांच (जनवरी 2018) में यह तथ्य प्रकाश मे आया की उक्त उपकरण प्राप्ति ति थ से संप्रेक्षा ति थ तक अकार्यशील अवस्था मे पड़े हुए थे। सामुदायिक स्वास्थ केंद्र थत्यूड मुख्य बाज़ार से लगभग तीन कलोमीटर दूरी पर दुर्गम स्थान पर स्थित है जहां रो गयों का आना जाना भी कठिनाई भरा है, तथा च कत्सकों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष अ धकांश पद रिक्त थे, परिणामस्वरूप न केवल शासकीय धन से क्रय कए गये च कत्सीय उपकरण अनुपयोगी पड़े हुए थे अ पतु स्थानीय जनता उत्कृष्ट च कत्सीय सेवाओं से वं चत थी, जो की जनहित की हानि थी।

X-Ray Machine

Mobil LADO.T. Light

Cassette Rapid Autoclave

Boyle`s Apparatus

उपरोक्त ववरण से स्पष्ट होता है की वभागीय उदासीनता एवं अनुश्रवण के आभाव मे ₹ 25.66 लाख के उपकरण न केवल अनुपयोगी थे अ पतु स्थानीय जनता उसके लाभ से वं चत थी।

उक्त के सम्बंध में इं गत कए जाने पर च कत्सा अ धकारी द्वारा तथ्यों एवं आंकड़ों की पुष्टि की गई तथा यह अवगत कराया गया क सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्स-रे टेकनी शयन तथा सर्जन की नियुक्ति हेतु समय-समय पर मांग की गयी है। संबन्धित उपकरणों के टेकनी शयन न होने के कारण आम जनता को उपकरणों का लाभ दिया जाना संभव नहीं हो पा रहा है।

वभाग का उत्तर मान्य नहीं था क्यों क सामुदायिक स्वास्थ केंद्र थत्यूड मुख्य बाज़ार से लगभग तीन कलोमीटर दूरी पर दुर्गम स्थान पर स्थित है जहां रो गयों का आना जाना भी कठिनाई भरा था, तथा च कत्सकों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष अ धकांश पद रिक्त थे, तथा वभाग की उदासीनता एवं अनुश्रवण की कमी के कारण उक्त उपकरण प्राप्ति ति थ से संप्रेक्षा ति थ तक अकार्यशील अवस्था मे पड़े हुए थे। सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में न तो सर्जन की नियुक्ति हुयी थी और न ही रो डयोलाजिस्ट की तैनाती की गई जिससे उक्त मशीनें निष्क्रिय अवस्था में पड़ी हुई थी।

अतः ₹ 25.66 लाख की लागत के च कत्सीय उपकरण का अनुपयोगी रहने का प्रकरण प्रकाश में लाया जाता है।

भाग दो- (ब)

प्रस्तर **02:-** त्रुटिपूर्ण मानव संसाधन प्रबंधन एवं च कत्सको तथा सहयोगी स्टाफ की कमी के कारण च कत्सा सेवा पर दुष्प्राभाव।

जनपद टिहरी के जौनपुर ब्लाक के थत्यूड़ नामक स्थान मे स्थानीय जनता को च कत्सा सु वधा प्रदान करने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ केंद्र थत्यूड़ का गठन कया गया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थत्यूड़ के लए निम्न ल खत कुल पद सृजित कए गये थे।

स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
125	67	58

रिक्त पदों का ववरण निम्नवत् था।

सामुदायिक स्वास्थ केंद्र थत्यूड़			
पदनाम	***स्वीकृत***	***कार्यरत***	***रिक्त***
सर्जन	*1*	*0*	*1*
आर्थोपैडिक सर्जन	*1*	*0*	*1*
बालरोग विशेषज्ञ	*1*	*0*	*1*
निश्चेतक	*1*	*0*	*1*
पैथालोजिस्ट	*1*	*0*	*1*
दन्त चिकित्सक	*1*	*0*	*1*
चिकित्सा अधिकारी द्वितीय	*1*	*0*	*1*
चिकित्सा अधिकारी बी.डी.क्लीनिक	*1*	*0*	*1*
लैब टैक्नीशियन	*1*	*0*	*1*
एक्स रे टैक्नीशियन	*1*	*0*	*1*
डेन्टल हाईजिनिस्ट	*1*	*0*	*1*
एम.एस.डब्ल्यू बी.डी.क्लीनिक	*1*	*0*	*1*
कक्षसेवक	*3*	*1*	*2*
सफाई सेवक/सेविका पी.एच.सी, सी.एच.सी.	*2*	*0*	*2*
कुक कम चौकीदार	*1*	*0*	*1*
एस.ई.आई.ओ.	*1*	*0*	*1*
अन्वेषक कम संगणक	*1*	*0*	*1*
स्वास्थ्य निरीक्षिका	*2*	*0*	*2*
स्वास्थ्य पर्यवेक्षक	*7*	*4*	*3*
स्वास्थ्यकार्यकर्ता पुरूष	*11*	*0*	*11*
एच.वी.प्यून	*1*	*0*	*1*
	41	5	36
ग्रामीण महिला च कत्सालय थात्यूड़			
महिला चिकित्सा अधिकारी	*1*	*0*	*1*
कक्ष सेविका	*1*	*0*	*1*

नवीन प्राथ मक स्वास्थ केंद्र नैनबाग			
चिकित्सा अधिकारी	*1*	*0*	*1*
महिला च कत्सालय नैनबाग			
कक्ष सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
सफाई सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ केंद्र सत्यों			
सफाई सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ केंद्र कैम्पटी			
कक्ष सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
सफाई सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ केंद्र भवान			
चिकित्सा अधिकारी	*1*	*0*	*1*
कक्ष सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
सफाई सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय कोडीपंतवाडी			
चिकित्सा अधिकारी	*1*	*0*	*1*
सफाई सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय धनऔल्टी			
चिकित्सा अधिकारी	*1*	*0*	*1*
कक्ष सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
सफाई सेवक/सेविका	*1*	*0*	*1*
ए ० एन० एम० के खाली पद			
उपकेन्द्र भवान	*1*	*0*	*1*
उपेकन्द्र थत्यूड़	*1*	*0*	*1*
महिला चिकित्सालय थत्यूड	*1*	*0*	*1*
उपकेन्द्र अलमस	*1*	*0*	*1*
उपकेन्छ बगसिल	*1*	*0*	*1*
अति.प्रा.स्वा.के.सत्यों	*1*	*0*	*1*
	63	5	58

उपरोक्त ववरण से स्पष्ट था क च कत्सक एवं स्टाफ के 58 पद रिक्त थे। पदों के रिक्त रहने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर एवं सरकारी योजनाएँ के संचालन व अनुश्रवण में बाधा व कठिनाई होना स्वाभा वक था तथा स्थानीय जनता को मलने वाले स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना से इंकार नहीं कया जा सकता।

उक्त के सम्बंध में इं गत कए जाने पर च कत्सा अ धकारी द्वारा तथ्यों एवं आंकड़ों की पुष्टि की गई तथा यह अवगत कराया गया क च कत्सक एवं सहयोगी स्टाफ की स्वास्थ्य केन्द्र में आवश्यकता है ले कन शासन/ महानिदेशालय स्तर से नियुक्ति नहीं की गयी। उक्त पदों पर नियुक्ति न होने के कारण आम जनता को शल्य च कत्सा, एक्स-रे

आदि से संबन्धित सु वधायें प्राप्त न होने के कारण आम जनता को दूर दराज च कत्सालयों में जाना पड़ता है।

वभाग का उत्तर स्वतः लेखापरीक्षा आप त्त की पुष्टि करता है, परन्तु वभाग द्वारा आवश्यकतानुसार कर्मचारियों एवं अ धकारियों की तैनाती हेतु भी कोई सार्थक प्रयास नहीं कया गया था। पदों के रिक्त रहने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर एवं सरकारी योजनाओं के संचालन तथा अनुश्रवण में बाधा व कठिनाई हो रही थी तथा स्थानीय जनता को मलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

अतः त्रुटिपूर्ण मानव संसाधन प्रबंधन एवं च कत्सक व सहयोगी स्टाफ की कमी के कारण च कत्सा सेवा पर दुष्प्रभाव का प्रकरण प्रकाश में लाया जाता है।

<u>भाग-III</u>

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-दो (अ) प्रस्तर संख्या	भाग-दो (ब) प्रस्तर संख्या	स्टेन
प्रथम लेखा परीक्षा			

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
प्रथम लेखा परीक्षा				

भाग-**IV**

इकाई के सर्वेत्तम कार्य

----------शून्य---------

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अव ध में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अ भलेख एवं सूचनाएं उपलब्ध कराने हेतु च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी तथा उनके अ धकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है।
2. लेखापरीक्षा में निम्न ल खत अ भलेख प्रस्तुत नहीं कये गयेः

(I) शून्य

3. सतत् अनिय मतताएं

(I) शून्य

4. लेखापरीक्षा अव ध में निम्न ल खत अ धकारियों द्वारा कार्यालाध्यक्ष का कार्यभार वहन कया गयाः

क्र.सं.	नाम	पदनाम	अव ध
1.	डा. वनय ड्यूड़ी	प्र. च कत्सा अ धकारी	04/2012 से 03/2014
2.	डा. अजय कुमार	प्र. च कत्सा अ धकारी	04/2014 से 08/2016
3.	डा. वनय ड्यूड़ी	प्र. च कत्सा अ धकारी	09/2016 से 06/2017
4.	डा. एस.के. झा	च कत्सा अधीक्षक	07/2017 से वर्तमान तक

(V) लघु एवं प्र क्रयात्मक अनिय मतताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मि लत कर एक प्रति च कत्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थत्यूड, टिहरी को इस आशय से प्रे षत कया गया क वह लेखापरीक्षा टिप्पणी की प्राप्ति के एक माह के भीतर उसकी अनुपालन आख्या सीधे उप-महालेखाकार, सामाजिक क्षेत्र, कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, महालेखाकार भवन, कौलागढ़, देहरादून को प्रे षत करना सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी/सा.क्षे.